राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 30 सितम्बर, 1982

कमांक 1466-ज(I)-82/34457.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा (ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौर एए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती कमला देवी, विधवा श्री जीवा राम, गांव मृंडिया खेडा, तहुसील व जिला महेन्द्रगढ़ को रवी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहष्ट प्रदान करते हैं।

कमांक 1446-ज (II)-82/34461 चन्द्र सिंह, पुत्र श्री जमना राम, गांद डीधल, तहसील झजार, जिला रोहतका की दिनांक 6 फरवरी, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री चन्द्र सिंह को मृज्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 19948-जें एन०-III-66/21408, दिनांक 21 अक्तूबर, 1966 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मन्जूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती चन्द्रकीर के नाम खरीक, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्ती के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1438-ज(I)-82/34465.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे दृरियाणा राज्य में प्रपताया गया है श्रीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के भनुसार सीतं अगए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती ठावर कौर, विधवा श्री सेवा सिंह, गांव महलांवाली, तहसील जगाधरी, जिला भ्रम्वाला, को रबी, 1981 से 300 व्यये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जाभीर सनद में दी गई शर्तों के भनुसार सहवं प्रवान करते हैं।

कमांक 1404-ज(I)-82/34469.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है भीर उसमें घाज तक संशोधन किया गया है), की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के प्रनुसार सौंपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री रामजी लाल, पुत श्री फूल सिंह, गांव वालावास, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, को खरीक, 1976 से खरीक, 1979 तक 150 क्पये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 एपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के प्रनुसार सहदं प्रदान करते है।

क्रमांक 1375-ज(I)-82/34473.--श्री बनी मिंह, पुत्र श्री गनपत सिंह, गांव देवमर, तहसील व जिला शिवानी की दिनांक 25 अनत्वर, 1980 को हुई मृत्यू के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनामा गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रवान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्री बनी सिंह को मुबलिंग 300 रुपये बार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1949-ज-I-76/32690, दिनांक 25 अनत्वर, 1976 तथा अधिसूचना क्रमांचा 17089-ज-II-79/44040, दिनांक 30 अनत्वर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मूरती देवी के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 1 ग्रक्तूबर, 1982

कमांक 1396-ज(I)-82/34641.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसः कि उसे हिरयाणा राज्य में प्रपताया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के प्रनुसार सौंपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हिरयाणा के राज्यपाल श्रीमती श्योकौरी, विधवा श्री बोदन, गांव सालावास, तहसील रिवाड़ी, जिला महैन्यगढ़ को खरीफ़, 1980 से 300 रुपये वाषिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहषं प्रदान भरते हैं।